

[श्री रामावतार शास्त्री]

है और वर्षा का पानी धरों में घुस जाता है। कहीं भी गंदी बस्ती का विकास नहीं किया गया। हुआरों लोग आश्रय के अभाव में सड़कों तथा पटरियों पर डेरा डाले हुए हैं। पेय जल का भी सर्वथा अभाव है। गंदगी का सर्वत्र अंधार है। सम्पूर्ण नगर नरककुण्ड बन गया है। सार्वजनिक सड़कों पर रोखनी तक नहीं है जिसका फायदा चौर-उच्चके उठा रहे हैं।

इस नारकीय स्थिति से उद्धार तथा गंदी बस्ती सफाई योजना की सफल क्रियान्विति तभी सम्भव है जब भारत सरकार इस काम के लिए निर्धारित राशि राज्य सरकारों को न देकर सीधे नगर-निगमों के हाथों में दे। पटना में तो ऐसा करना सबसे जरूरी है वरना दिनोंदिन बढ़ती हुई आबादी से स्थिति और भी खराब होगी।

(ii) STEPS FOR MODERNISATION AND DEVELOPMENT OF CALCUTTA AIRPORT.

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER (Durgapur): Sir, under rule 377, I want to raise the following important subject in the House:—

The earlier Government and the present Congress-I Government at the Centre assured that they would modernise and develop the Calcutta Airport. A number of times the issue of the development of Calcutta Airport was raised from various corners of the eastern part of the country; particularly, the Chief Minister of West Bengal also raised the issue with the Prime Minister as well as the concerned Minister. Unfortunately, nothing has been done so far. Due to the negligence of the Central Government, the people of eastern India and the workers and the employees of Calcutta Airport are facing serious problem.

Once, Calcutta Airport was the most important Airport of our country. Afterwards, Delhi-Bombay-Madras got the status of International Airport

and the Calcutta Airport's importance gradually came down. Central Government never bothered about that. They never constructed any other airport in West Bengal but other States are having more airports. In this way tourism of West Bengal as well as other eastern parts of the country have been hampered. The Central Government ignored the importance of the Calcutta Airport.

But, in the opinion of the International Pilot Federation 'Calcutta Airport' is the best Airport in India in all respects.

Sir, under these circumstances, I urge upon the Government to sanction necessary funds for the development and modernisation of the Calcutta Airport so that the Airport gets its earlier importance.

In this regard, I demand that the Minister concerned may make a statement in the House.

(iii) DEMAND TO SAVE BAUXAR AND BHOJPUR IN BIHAR FROM SOIL EROSION DUE TO CHANGING COURSE OF RIVER GANGA.

श्री चन्द्रशेख प्रसाद वर्मा (भारत):
उपाध्यक्ष महोदय, गंगा की तेज धारा और उसके बदलते मार्ग से बिहार राज्य स्थित बक्सर किसी क्षण कटाव से पान में विलीन हो सकता है। यहाँ के ऐतिहासिक बक्सर जिले की बाहरी दीवार से गंगा की धारा टकरा रही है, जिसके कारण किसी समय ध्वस्त हो सकती है।

उल्लेखनीय है कि इस किले की दीवार भोजपुर जिला तथा निकटस्थ रेलवे लाइन के लिए प्राकृतिक तटबन्ध का काम कर रही है। जैसी सम्भावना है, यदि गंगा की धारा बदल गई तो बक्सर को ही नहीं, बल्कि पूरे जिले तथा रेलवे लाइन को गंगा उदरस्थ कर लेगी।

स्पर्णीय है कि बक्सर के पास यदि गंगा की धारा बबल गई, तो बिहार और उत्तर प्रदेश को जांड़ने वाला गंगा का पुल भी बेकार हो जायेगा।

इसी प्रकार पटना जिला स्थित मनेर प्रखण्ड के जीवरासन टोला का आधा से अधिक हिस्सा बिलीन हो गया, लेकिन संसद् में इस पर चर्चा के बाद भी वहाँ के लोगों को बसने की जमीन नहीं दी गई है। ग्रामीण इधर-उधर मारे मारे फिर रहे हैं।

अतः सरकार से आग्रह है कि वह भोजपुर जिला और रेलवे लाइन को बचाने के लिए तुरन्त उचित कार्यवाही करे तथा पटना जिला स्थित जीवरासन टोला के कटाव पीड़ितों के लिए जमीन की शीघ्र व्यवस्था करे।

(iv) DEMAND FOR ADEQUATE SUPPLY OF GROUNDNUT SEED TO GROUNDNUT RESEARCH INSTITUTE AT SITAPUR, UTTAR PRADESH.

श्री राम लाल राही : (मिसरिख) उपाध्यक्ष महोदय, उत्तर भारत के उ० प्र० में जनपद सीतापुर तथा उसके सीमावर्ती जनपदों जैसे हर्दोई, शाहजहापुर, लखीमपुर आदि उत्तम मूगफली उत्पादक क्षेत्र होने के कारण सीतापुर जनपद व्यावसायिक दृष्टि से तिलहन के क्षेत्र में उत्तर भारत की प्रमुख मण्डी कई दशकों में बन गया था। यहाँ नहीं, केवल जनपद सीतापुर में नगरीय और ग्रामीण क्षेत्रों में कर्गब डेढ़ सौ छोटे बड़े उद्यान मूगफली तिलहन पर आधारित है।

इधर करीब 4-5 वर्षों से मूगफली की क्वान्टिटी और क्वालिटी में निरन्तर गिरावट आने के कारण इन जनपदों का मूगफली उत्पादन क्षेत्र भुखमरी का शिकार होता जा रहा है। यहाँ नहीं, मूगफली पर आधारित उद्योग चौपट हो गया है। लगभग 90 प्रतिशत कारखाने बन्द व बोरान पड़े हैं। किसानों के सामने बीज का निरन्तर सकट बना हुआ है।

15 से 20 रुपया किलो तक नकद बीज तलाश करने पर भी बाजारों में नहीं मिला। केवल जनपद सीतापुर के 40 हजार एकड़ क्षेत्र के लिए केवल 120 क्विंटल बीज की व्यवस्था सरकार ने की, वह भी नकद दाम बेतर। परिणाम यह हुआ कि नाममात्र को भी बीज नहीं उठा। परिस्थिति यह है कि जनपद सीतापुर सहित अनेक पड़ोसी जिलों में हजारों एकड़ मूगफली उत्पादक क्षेत्र बोरान व बंजर पड़ा है।

सरकार की उपेक्षापूर्ण किसान विरोधी नीति के कारण ही इस मूगफली उत्पादक क्षेत्र के कपसा कला गांव में गत वर्ष 7 लोगों की भूख से मौत हो गई थी। भविष्य में भी भुखमरी से इन क्षेत्रों में लोगों के मरने की कुसम्भावनाये पैदा हो गई है।

सरकार तिलहन उत्पादन के अभाव में प्रति वर्ष करोड़ों की मुद्रा खाद्य तेलों के आयात में लगा रही है। परन्तु यदि मूगफली (तिलहन) उत्पादन की तरफ सरकार का विशेष ध्यान जाये और मूगफली उत्पादन क्षेत्र, खासकर उत्तर भारत की प्रमुख मण्डी सीतापुर में शोध संस्थान बनाया जाये, बीज वितरण की सही व्यवस्था की जाये तो खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर होने के साथ ही विदेशी मुद्रा के अपव्यय पर भी नियन्त्रण हो सकता है।

मे इस लोक महत्त्व के प्रश्न का उठाते हुए विनम्रतापूर्वक निवेदन करना चाहता हूँ कि सरकार इन सब में व्यवस्था करे और एक वक्तव्य दे।

(v) DISCOVERY AND COLLECTION OF GOLD PARTICLES IN RAIGARH DISTRICT OF MADHYA PRADESH FOR SOME BUSINESSMEN.

SHRI B. R. NAHATA (Mandsaur):
Mr. Deputy Speaker, Sir, under Rule